हो पिया जी-हो पिया जी
मैं दीदार तेरा पाऊं जी,कोई मीठी बात करो जी

1- खेल में आपने ही जगाया है
फरामोशी में मैं सोई थी
2- अर्शे खिलवत के सुख याद कर कर के
पिया मिलन को तरसे ये रूह जी
3- अर्श बागों में नेंह बरस रहया
मोर कोयल का मीठा स्वर गूंज रहया
हमको क्यों इनसे रखा जुदा जी
4- अर्श झरोखों पे आई रूहें देखन
बादलों से घिरा लगे सुन्दर बन
ये अपना है निजघर जी
5- घेरों घेर पसु पंखी बन में डोलें
पिऊ पिऊ तू ही तू ही मीठे बोल बोलें
देख रूहों को मिलता सुख जी
6- मेरे मीठे मेहेबूब मेरे प्यारे पिया
नैनों को तेरी ही आस है पिया
करो मेहर तो लागूं गले जी

Nijanand App